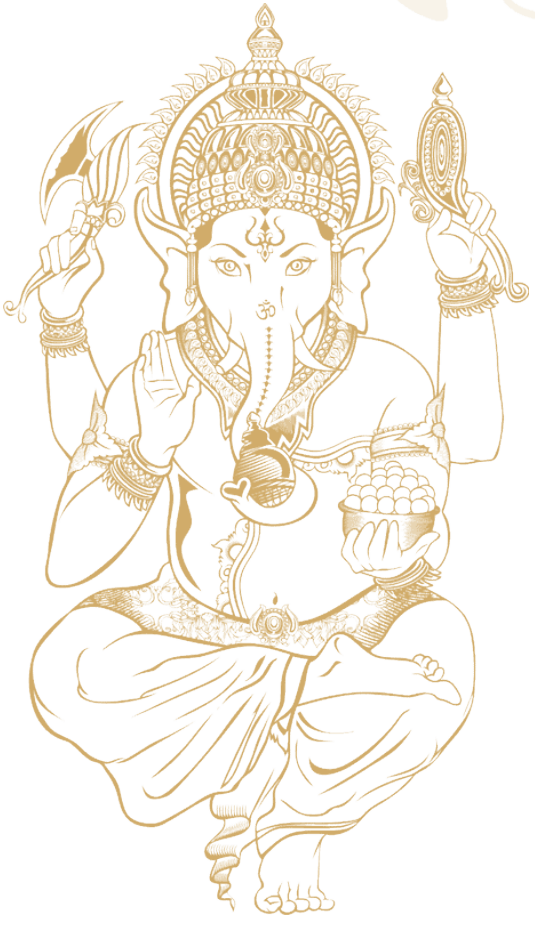

Siddharth

06 Jul 2015

12:27 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121145204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/07/2015**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:27:00 घंटे**
इष्ट	17:25:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:05:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:41 घंटे
साम्पातिक काल	07:01:39 घंटे
सूर्योदय	05:28:42 घंटे
सूर्यास्त	19:22:39 घंटे
दिनमान	13:53:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:50:36 मिथुन
लग्न के अंश	19:29:14 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:29:14	316:39:43	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मिथु	19:50:36	00:57:11	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	सम राशि
चंद्र			कुंभ	15:51:44	14:22:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	13:47:19	00:40:01	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध			मिथु	01:37:55	01:39:04	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	स्वराशि
गुरु			कर्क	28:29:14	00:11:29	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	00:39:05	00:34:29	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	04:46:42	00:02:28	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	10:22:50	00:02:41	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	10:22:50	00:02:41	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	26:15:49	00:00:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	15:35:33	00:00:44	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	20:11:50	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	20:07:13	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:28

लग्न-चलित

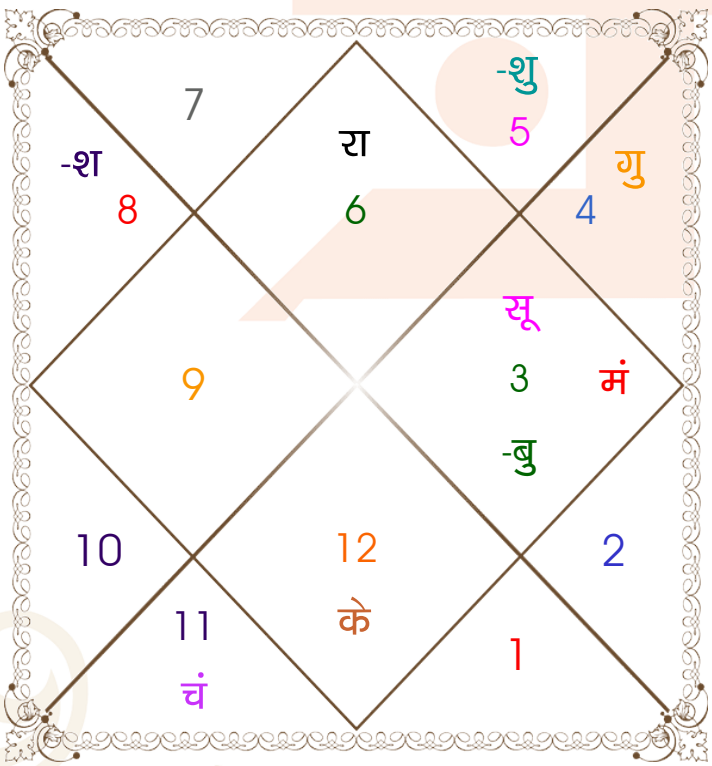

चन्द्र कुंडली

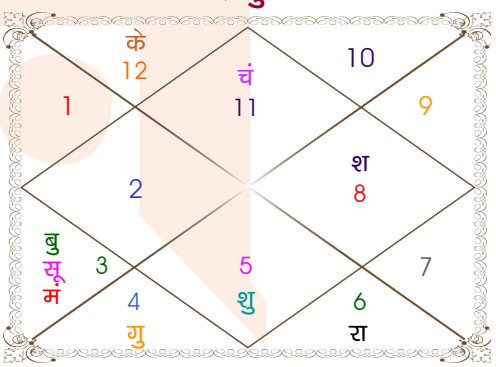

नवमांश कुंडली

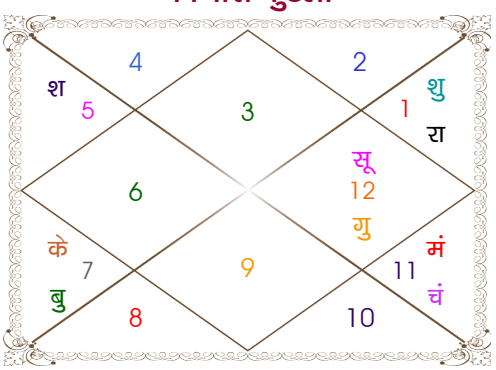

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 7 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/07/2015		04/02/2021		04/02/2037		05/02/2056		04/02/2073	
04/02/2021		04/02/2037		05/02/2056		04/02/2073		05/02/2080	
	00/00/0000	गुरु	26/03/2023	शनि	08/02/2040	बुध	04/07/2058	केतु	03/07/2073
	00/00/0000	शनि	06/10/2025	बुध	18/10/2042	केतु	01/07/2059	शुक्र	03/09/2074
	00/00/0000	बुध	12/01/2028	केतु	27/11/2043	शुक्र	01/05/2062	सूर्य	08/01/2075
	00/00/0000	केतु	18/12/2028	शुक्र	27/01/2047	सूर्य	07/03/2063	चंद्र	09/08/2075
	06/07/2015	शुक्र	19/08/2031	सूर्य	09/01/2048	चंद्र	06/08/2064	मंगल	06/01/2076
शुक्र	24/08/2017	सूर्य	06/06/2032	चंद्र	09/08/2049	मंगल	03/08/2065	राहु	23/01/2077
सूर्य	19/07/2018	चंद्र	06/10/2033	मंगल	18/09/2050	राहु	20/02/2068	गुरु	30/12/2077
चंद्र	18/01/2020	मंगल	12/09/2034	राहु	25/07/2053	गुरु	28/05/2070	शनि	08/02/2079
मंगल	04/02/2021	राहु	04/02/2037	गुरु	05/02/2056	शनि	04/02/2073	बुध	05/02/2080

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/02/2080		05/02/2100		06/02/2106		06/02/2116		06/02/2123	
05/02/2100		06/02/2106		06/02/2116		06/02/2123		00/00/0000	
शुक्र	07/06/2083	सूर्य	26/05/2100	चंद्र	07/12/2106	मंगल	04/07/2116	राहु	19/10/2125
सूर्य	06/06/2084	चंद्र	24/11/2100	मंगल	08/07/2107	राहु	23/07/2117	गुरु	14/03/2128
चंद्र	05/02/2086	मंगल	01/04/2101	राहु	06/01/2109	गुरु	29/06/2118	शनि	19/01/2131
मंगल	07/04/2087	राहु	24/02/2102	गुरु	08/05/2110	शनि	07/08/2119	बुध	07/08/2133
राहु	06/04/2090	गुरु	13/12/2102	शनि	07/12/2111	बुध	04/08/2120	केतु	25/08/2134
गुरु	05/12/2092	शनि	25/11/2103	बुध	08/05/2113	केतु	31/12/2120	शुक्र	07/07/2135
शनि	05/02/2096	बुध	30/09/2104	केतु	07/12/2113	शुक्र	02/03/2122		00/00/0000
बुध	06/12/2098	केतु	05/02/2105	शुक्र	07/08/2115	सूर्य	08/07/2122		00/00/0000
केतु	05/02/2100	शुक्र	06/02/2106	सूर्य	06/02/2116	चंद्र	06/02/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।